अग्रवाल कॉलेज, बल्लभगढ़ के एनईपी (इम्प्लीमेंटेशन) सेल द्वारा 25 जुलाई 2026 को कंप्यूटर लैब नं. 2 में "एनईपी 2020 एट 6: पॉलिसी से प्रैक्टिस तक उच्च शिक्षा में" विषय पर एक फैकल्टी विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला ऑफिसिएटिंग प्राचार्य डॉ. सी. एस. वशिष्ठ के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित नवीन प्रावधानों एवं व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराना था। कार्यशाला की वक्ता एवं एनईपी (इम्प्लीमेंटेशन) सेल की संयोजिका डॉ. प्रियंका सहरावत ने एनईपी 2020 के छह वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों एवं क्रियान्वयन में मौजूद चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ABC), फोर ईयर अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम (FYUP), मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम तथा आउटकम बेस्ड एजुकेशन (OBE) के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की। साथ ही क्षमता-आधारित मूल्यांकन, बहुविषयक एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रम, प्रौद्योगिकी एवं भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) के समावेशन तथा NAAC, NIRF एवं स्वायत्तता हेतु संस्थागत तैयारी पर भी मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला के दौरान एनईपी के क्रियान्वयन में शिक्षकों के समक्ष आने वाली समस्याओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में लगातार होने वाले बदलाव, बढ़ते शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यभार, OBE आधारित मूल्यांकन, बहुविषयक शिक्षण तथा डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग जैसी चुनौतियों को साझा किया। इन समस्याओं के समाधान हेतु नियमित फैकल्टी प्रशिक्षण, संस्थागत सहयोग एवं बेहतर अधोसंरचना की आवश्यकता पर बल दिया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों में एनईपी 2020 के प्रति जागरूकता बढ़ाना, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक विद्यार्थी-केंद्रित एवं बहुविषयक बनाना तथा गुणवत्ता आश्वासन एवं प्रत्यायन (Accreditation) के लिए संस्थान को तैयार करना था। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र के साथ कार्यशाला का समापन हुआ। सभी प्रतिभागियों ने इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की।